

(4)

देवगिरी बिलावल - यमनी बिलावल

श्याम कल्याण - शुद्ध सारंग

A

(Printed Pages 4)

FA-1354

M.P.A. (First Year) Examination, 2015

VOCAL MUSIC

Paper - II

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 100

Note : Answer any **five** questions. **All** questions carry equal marks.

नोट : किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Describe about the origin and development of Prabandha gaan.
प्रबन्धगान के उद्गम तथा उसके विकास का वर्णन कीजिये।
2. What is the difference the Comparison set to Ektaal and Chautaal? Explain with example.
एकताल और चौताल की निबद्ध रचनाओं में क्या अंतर होता है? उदाहरण सहित समझाइये।
3. Give a detailed analysis any two Ragas of your course and also the Ragaangas used in them.

(2)

पाठ्यक्रम से किन्हीं दो रागों का विस्तृत विवेचना कर उनमें प्रयुक्त रागांगों को समझाइये।

4. Define Gharana. Mention the names of renowned artists of Gwalior and Kirana Gharana and narrate the main characteristics of above Gharana.

घराने की परिभाषा लिखिये। ग्वालियर तथा किराना घराने के प्रसिद्ध कलाकारों के नाम लिखिये तथा उपरोक्त दोनों घरानों की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

5. What are the principles of Uttam Alaps? Explain with examples in Raga Jog.

उत्तम आलाप के सिद्धान्त कौन से हैं? राग जोग को आलाप द्वारा समझाइये।

6. Describe the evolution and development of Khyal and Dhrupad.

खयाल तथा ध्रुपद के उद्गम से उसके विकास का वर्णन कीजिये।

7. What are the ideal features of Jaipur and Agra Gharanas gayan shalies? Compare and Contrast both the Gharana.

जयपुर तथा आगरा घराने की गायन शैली के आदर्श तत्व कौन से हैं? उदाहरण सहित लिखिये और तुलनात्मक विवेचन कीजिये।

(3)

8. Write an essay on any **one** of the following:

- (a) Classical music and spiritualism
(b) Guru shishy Parampara in music
(c) Tradition of music in Uttar Pradesh and Contribution of Lucknow in it.
(d) Merits/Demerits of notation system in classical music.

निम्नलिखित में से किसी एक पर निबन्ध लिखिये :

- (क) शास्त्रीय संगीत और आध्यात्मवाद
(ख) संगीत में गुरु शिष्य परम्परा
(ग) उत्तर प्रदेश की संगीत परम्परा और लखनऊ का उसमें योगदान
(घ) शास्त्रीय संगीत में स्वरलिपि पद्धति के गुण/दोष

9. Compare the following Ragas -

Maru Bihag - Marg Bihag

Dev giri Bilawal - Yamni Bilawal

Shyam Kalyan - Shud Sarang

निम्नलिखित रागों की तुलना कीजिए -

मारुबिहाग - मार्ग बिहाग